सूचना: संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें।

पंचाचूली	जोखू
सरसों की पीलाई पसर जाती है।	बदबू से नहीं पी सकता
फुसफुसाहट में तब्दील हो गई।	पाँच बर्फानी चोटियाँ
मारे बासके पिया नहीं जाता।	माँ की आवाज़
तू सड़ा पानी पिलाए देती है।	सीढीनुमा खेतों में

सूचना: संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें।

अभद्र शोर	माँ
स्टेज से हटने को मज़बूर हुआ	गाँव के उस सिरे पर
दाने आए	म्याऊ-म्याऊ की आवाज़
साहू का कुआँ	सहायता करना
कंधा देना	अकाल के बाद

सूचना: संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें।

बौछार	पंडित के घर
तारीफ करना	अकाल
बारहों मास जुआ होता है	भरमार
पराजित चूहे	ठाकुर
कौन है,कौन है?	प्रशंसा करना

सूचना: संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें।

महीनों लहू थूकता रहा	इकट्ठी की गई सामग्री
बसंत	बीमारी बढ जाएगी
सामूहिक भोज	महंगू
खराब पानी से	पैसे बटोरने लगा
मैनेजर	फूलदेई का त्यौहार

सूचना: संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें।

आवाज़ के तमाशे को देख रहा था।	देर शाम तक
पानी उबाल देने से	मशहूर गीत

meshss irimbiliyam

बच्चे फूल चुनते है।	थानेदार को
जैक जोन्स गाना	चार्ली
रिश्वत दी	खराबी जाती रहती है।

सूचना: संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें।

चावल,गुड़,दाल आदि देते हैं।	साहूजी
बहस होते हैं	बच्चे
एक के पाँच लेंगे	अकाल
फूलदेई के जश्न में शामिल होते हैं।	दक्षिणा में
छिपकलियों की गश्त	माँ और मैनेजर के बीच

सूचना: संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें।

उदास रही	चैती गीत में
तालियाँ बजाई	गंगी का विद्रोही दिल
चोटें करने लगा	ऊँचे हिमालय के शिखरों पर
बुराँस चटकने लगते हैं	चक्की
पाँड़वों की हिमालय यात्रा के किस्से	दर्शकों ने

सूचना: संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें।

स्टेज पर भेजने की ज़िद	बड़ों की भूमिका
दस-पाँच बेफिक्र ज़मा थे।	प्रशंसा करना
सलाह देने तक सीमित है	मैनेजर
औजी	ठाकुर के दरवाज़े पर
तारीफ करना	चैती गीत

सूचना: संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें। 5

कीड़ा जड़ि,करण और चुरू	मैदानी बहादुरी का
बैकस्टेज की ओर जाते मैनेजर	कानूनी बहादरी की
अब ज़माना न रहा है	दुर्भ हिमालयी जडी व औशधियाँ।
अब बातें हो रही थी	घर भर की आँखें
चमक उठी	चार्ली व्याकुलता से रहता

सूचना: संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें।

शिकस्त	ठंड के मौसम समाप्त होने पर
पशुचारक वापस घरों को लौटने लगते हैं।	मैनेजर खुद पैसे रख लेना चाहता है।
चार्ली को लगा	पराजय
नकल ले आए	गंगा से सटकर
सर्पीली सड़क	मार्केके मुकदमे

सूचना: संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें।

अब बातें हो रही थीं	गंगी की छाती
पशुचारकों का लेन-देन	ठाकुर के लोग
हाथ में एकतारा	कानूनी बहादुरी की
धक-धक करने लगी	रास्ते में आनेवाले गाँवों से
चोरी,जाल-फरेब,झूठे मुकदमे	दक्षिण से आनेवाले महात्मा

सूचना: संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें।

गड़रे की भेड़ चुरा ली थी	चार्ली ने घषणा की।
मुस्तैदी से अपनी यात्रा कर रहा है	बहुत ही आहिस्ता
पहले मैं ये पैसे बटोरूँगा।	ठाकुर ने
घडे ने पानी में गोता लगाया	अकाल के बाद
आँगन से ऊपर धुआँ उठा	सूरज

20-20 ओवर के मैच जैसी	अकाल के बाद
मुस्तैदी से अपनी यात्रा कर रहा है	आनेवाले पर्यटक
धूल का तूफान आया	जैसलमेर यात्रा
किले के परिवारवालों की रोज़ी-रोटी है	दोपहर में रेल के रास्ते में
आँगन से ऊपर धुआँ उठा	सूरज

उलझी गुत्थी सुलझाने आता है	ठाकुर ने
गड़रे की भेड़ चुरा ली थी	रंग-बिरंगी जूतियाँ सजी थी।
किले के अंतर एक लाइन से	फेलूदा
लोनली प्लैनेट	दुकानें सजी है
होली के रंग याद हो आए	दुनियाभर में चर्चित पर्यटक गाइड़

दुनिया की छत	रेस्तराँ
पशुचारकों का लेन-देन	तिब्बत
फ्री तिब्बत रूफ टोप रेस्टोरेंट	शाम को
शिकस्त	रास्ते में आनेवाले गाँवों से
सम देखने गए।	पराजय

सम	दक्षिण से आनेवाले महात्मा
हाथ में एकतारा	20-30 किलोमीटर दूर
सम जैसलमेर से लगभग	असली रेगिस्तान
शिकस्त	एक मीखा ङुआ ऊँट
माईकल	पराजय

हिंदुस्तान् की आखिरी सीमा	एक मीखा ङुआ ऊँट
छिपकलियों की गश्त	तनोट
अब बातें हो रही थीं	जैसलमेर से कोई 100-130 किलोमीटर दूर
माईकल	अकाल
जैसलमेर से करीब 110 किलोमीटर दूर	कानूनी बहादुरी की

तारबंदी हो गई है।	दो स्त्रियाँ
मौके का इंतज़ार करने लगी।	महंगू
ताज़ा पानी भर लाओ	सारी सीमा पर
पानी भरने आई थीं	हुकुम हुआ
बेगार न दी थी।	गंगी जगत के आड़ में बैठकर

मर्दों को जलन होती है।	अगर गंगी पकड़ ली गई तो
चार्ली को लगा	गंगी के हाथ रस्सी टूट गई।
घड़ा धडाम से पानी में गिरा	हम आराम से बैठे देखकर
तारबंदी हो गई है।	मैनेजर खुद पैसे रख लेना चाहता है।
माफी या रियायत की उम्मीद नहीं	सारी सीमा पर

hsslive.in

बहुत ही आहिस्ता	महंगू
जैसलमेर से करीब 110 किलोमीटर दूर	शेर का मुँह इससे भयानक न होगा।
बेगार न दी थी।	घडे ने पानी में गोता लगाया।
मूरज चौखंभा के शिखर आने पर	तनोट
एकाएक ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया।	जेठ की गर्मी चरम पर होती है।

पानी भरने आई थीं	एक सीखा हुआ ऊँट
हाथ में एकतारा	शाम को
माईकल	दो स्त्रियाँ
पाँच बर्फानी चोटियाँ	फूलदेई
चार शिखर	दक्षिण से आनेवाले महात्मा
ढोल-ढमाऊ की थाप पर	पंचाचूली
सम देखने गए।	चैती गीत
बच्चों का त्यौहार	चौंखंभा

बाँस की एक प्रजाति	खेत
चैती गीत गानेवाले	रिंगाल
दो महीने पहले	जेठ शुरू हो जाता है।
घर की छत से	गाडियों से भर जाती है।
पहाडियों की सडकें	घाटी एकदम शांत थी।

चौंखंभा पर्वत के पीछे से सूर्योदय होने लगता है।	मैं भीड़ देखता हुँ।
टोकरियों को रातभर पानी से भरी गागरियों के ऊपर रखा जाता है।	सारे काम बच्चे करते हैं।
जिनके घरों में फूल सजाए जाते हैं	ताकि वो सुबह तक मुरझा न जाएँ।
बड़ों की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित है।	वे बच्चों को चावल, गुड़, दाल आदी देते हैं।
बसंत की धूप तपाने लगती हैं।	सड़क में हलचल बढ़ जाती हैं।

गाँवों से उनका सदियों का रिश्ता है।	ऊँचे हिमालय शिखरों पर बुराँस चटकने

meshss irinjiyam

	लगते हैं।
पशुचारकों के जत्थे गुज़र जाते हैं।	उसी वक्त पुरानी कीमत चुकाना ज़रूरी नहीं होता।
फूलदेई का त्यौहार आता है।	सामग्री से सामूहिक भोज बनाया जाता है।
बच्चे फूलों से घर सजाते है।	बच्चे फूल चुनते हैं।
दक्षिणा की सामग्री इक्कीस दिन इकट्ठा करते हैं।	घरवाले दक्षिणा देते हैं।

सोनार किला	लोनली प्लैनेट
दुनिया भर में चर्चित पर्यटक गाइड	तिब्बत
दुनिया की छत	मज़ेदार जगह
कहाँ तिब्बत की बर्फ	वो वैसा ही करता
हमें लगता रहा कि हम उसे चला रहे हैं।	कहाँ जैसलमेर की तेज़ गर्मी।

उसका मालिक जैसा कहते	लेकिन वो हमें घुमा रहा था।
सोनार किला	छोट-सा कस्बा
लोनली प्लैनेट	सीखा हुआ ऊँट
तिब्बत	एक मज़ेदार जगह
सम	ऑनलाइन पर्यटक गाइड़
माईकल	असली रेगिस्तान
रामगढ़	दुनिया की छत

सुर्ख,सुलायम,गदबदी	बेला के रिबन जैसा लाल
बीरबहूटी का रंग	बीरबहूटी
सूनी तंग गलियाँ	एक अंधेरी-सी गली में
छह-सात गधों की खुरों की टापों की आवाज़ें	फुलेरा जंक्शन
दुकानवाला	बुरे मन से बताया
खून की प्यारी-प्यारी बूँदें	साहिल
पैन में स्याही भरवानी है	बीरबहूटियाँ
ज़मीन पर छिड़क दिया	स्याही भरवाने केलिए
दोनों दुकान पर पहुँचे	बची हुई स्याही
बेटा, स्याही की बोतल अभी-अभी खाली हो गई है।	बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।

meshss irinjiyam

साहिल	**दुकानवाला**
खेल घंटी के बाद	**गणित के माटसाब सुरेंदरजी से**
पढ़ना बड़ी बात समझनेवाली	**गणित का पीरियड़**
बच्चे काँपते थे	**बेला के भयभीत चेहरे को देखकर**
बच्चों को फेंक देते थे	बेला के बालों में पंजा फँसाया
माटसाब सुरेंदरजी	**माटसाब सुरेंदरजी**
साहिल बुरी तरह डर गया	**बेला**

पाँव काँप रहे हैं	**माटसाब सुरेंदरजी**
साहिल की नज़र में	**बेला के**
"बैठ अपनी जगह पर"	**शर्मिंदा महसूस कर रही थी**
बेला	**बेला बहुत अच्छी है**

पराया	**बुआ**
नसीहतें	**बेला**
स्टूल पर चढ़कर झूलता था	**किसी और का**
सिर पर पट्टी बाँधी थी	**साहिल**

नानू	**नियंत्रण**
रोक-टोक	**कुत्ता**
सिर पर सफेद पट्टी	**सुल्ताना डाकू**
गाँधी चौक में	**बेला के**
होए होए होए सफेद पट्टी	**लंगड़ी टाँग खेलेंगे।**

कील पिंडली में लग गई	**बीरबहूटी का रंग**
	साहिल की
चोट का निशान	

नीम के पेड़ पकड़कर झूम रहा था	**बादल**
घटा	**साहिल**
लाल रिबन से बंधे थे	**लाल रिबन**
बीरबहूटियों का रंग	**बेला के भूरे बाल**

बेला	**आँसू भरी आँखें**
राजकीय कन्या पाठशाला में	**साहिल**
अजमेर में होस्टल में रहकर	**बेला**
डबडबाई आँखें	**“ मुझे क्या पता ”**

बीरबहूटी की तरह लाल	**बारिश की बूँदों-सा पानी भर गया था**
बेला की चिढ़ाई	**साहिल की पिंडली में**
एक इंच गहरा गड्ढा	**साहिल की आँखें**
साहिल की आँखों में	**रोनी सूरत साहिल रोनी सूरत साहिल**

शादी का कार्ड़ हाथ में आया	**माँ**
गुठली का नाम कार्ड़ पर लिख दिया	**दीदी**
नकटू	**गुठली का मुँह उतर गया**
मस्तीखोर	**चुहिया**

Prepared by: MOHAMED ALI .K
MES HSS IRIMBILIYAM, 9895361234

meshss irimbiliyam